

०२/०८/२२. पत्रावली मळ येथे झुठी जायती  
 वी कोर ३ लक्ष वी वी वी  
 वी. डाव्यात नोंद उघडित  
 झुठी. वरत झुठी मधील कोर  
 मळ ३ विवाहा जाकर झुठी  
 न्यायालय झुठी मळ. कोर  
 पालनाची तहवीर जावी हो। पालना  
 फात होने पर झुठी पत्रावली  
 वी कोर पत्रावली विविध झुठी  
 होकर झुठी इतर हो।

(५०१)

उपसुब्ब अधिकारी, गुडामालानी



न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, गुडामालानी (बाड़मेर)  
पीठासीन अधिकारी श्री प्रमोद कुमार आर.ए.एस

प्रकरण संख्या: 92/2022

प्रार्थीगण :-

1. दीपाराम पुत्र सोनाराम
2. रूपाराम पुत्र सोनाराम
3. कालूराम पुत्र सिमरथाराम
4. चेतनराम पुत्र सिमरथाराम
5. घमण्डाराम पुत्र सिमरथाराम
6. भैराराम पुत्र सिमरथाराम
7. धनीदेवी पत्नी सिमरथाराम
8. जोगाराम पुत्र चेनाराम
9. नवलाराम पुत्र चेनाराम
10. वनाराम पुत्र चेनाराम
11. बन्धाराम पुत्र चेनाराम
12. भूराराम पुत्र चेनाराम
13. हीराराम पुत्र चेनाराम
14. जमनादेवी पत्नी चेनाराम
15. मोमताराम पुत्र सिमरथाराम फौत के कायम मुकाम :-  
15/1 जीयोदेवी पत्नी मोमताराम  
15/2 खेताराम नाबालिग कुदरती वली माता जीयादेवी पत्नी मोमताराम  
जाति जाट निवासी शिवपुरा ग्राम पंचायत नेहरों का वास तहसील गुडामालानी

बनाम

विप्रार्थीगण :-

1. केसाराम पुत्र दौलाराम
2. वनाराम पुत्र दौलाराम
3. पूराराम पुत्र दौलाराम  
कौम जाट साकिन रावलीनाडी ग्राम पंचायत नेहरों का वास
4. रतनाराम पुत्र धर्मराम
5. दमाराम पुत्र धर्मराम
6. नवलाराम पुत्र जेठाराम
7. हरखाराम पुत्र दुर्गाराम
8. मालाराम पुत्र जालाराम
9. मूलाराम पुत्र जालाराम
10. रामाराम पुत्र वालाराम
11. धीराराम पुत्र वालाराम  
कौम जाट साकिन शिवपुरा ग्राम पंचायत नेहरों का वास
12. भीखाराम पुत्र जुगताराम कौम ब्राहमण
13. करनाराम पुत्र गुणेशाराम कौम जाट
14. बुधारामपुत्र चम्पाराम
15. मनोहर पुत्र चम्पाराम
16. गुलाबी पत्नी चम्पाराम कौम गायणा साकिन गोलिया गर्वा पंचायत खडाली
17. आम्बाराम पुत्र धूडाराम
18. गोरधनराम पुत्र धूडाराम
19. जोधाराम पुत्र अनाराम
20. पोकर पुत्र अना
21. सूखा पुत्र अना
22. नाराणाराम पुत्र धूकलाराम
23. नारणा पुत्र हरूराम
24. नारणा पुत्र ठाकराराम  
कौम विश्नोई निवासी गोलिया गर्वा, ग्राम पंचायत खडाली
25. राजस्थान सरकार जरिये तहसीलदार गुडामालानी/नौखडा

प्रार्थीगण ने यह प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 111 सपठित धारा 128 रा.भू.रा. अधिनियम हेतु, नेखम पैमाईश जरिये पत्थर गढी का विप्रार्थीगण के विरुद्ध पेश किया। प्रकरण दर्ज कर विप्रार्थीगण को जरिये सम्मन तलब किया गया। विप्रार्थीगण के विरुद्ध बाबजूद नोटिस तामील अनुपरिथित रहने से एक पक्षीय कार्यवाही की गई।

हमने प्रार्थीगण के विद्वान अभिभाषक की बहस सुनी एवं पत्रावली का अवलोकन किया। न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत जमाबंदी सम्बन्धी 2078 से स्थाई ग्राम मंगले की बेरी के खेत खसरा नम्बर 65/1 रकबा 4.7105 हैक्टेयर, ग्राम गोलिया गर्वा के खेत खसरा नम्बर 174, 174/2 रकबा 3.9416, 14.1478 हैक्टेयर एवं ग्राम शिवपुरा के खेत खसरा नम्बर 1, 6 रकबा कमशः 9.5991, 5.2690 हैक्टेयर का अवलोकन किया। जिसमें प्रार्थीगण का नाम बतौर खातेदारी दर्ज है। प्रार्थीगण की भूमि के चारों ओर सीमा चिन्ह व पक्की माटे नहीं होने से काश्त व प्राकृतिक पैदावार लेते समय तनाव व विवाद की स्थिति पडौसी खातेदारों के साथ उत्पन्न हो जाती है जिससे बचने के लिये प्रार्थीगण अपनी भूमि की पक्की नेखमबन्दी करवाना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में दोनों पक्षकारों की उपस्थिति में विवादित भूमि का सीमाज्ञान करवाकर पक्के नेखम स्थापित करवाने में कोई आपत्ति प्रतीत नहीं होने एवं प्रार्थीगण विवादित भूमि का राजस्व अभिलेख में खातेदार दर्ज होने से प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना न्यायोचित प्रतीत होता है।

अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर तहसीलदार गुड़ामालानी को आदेशित किया जाता है दोनों पक्षकारों की उपस्थिति में विवादित खसरा ग्राम मंगले की बेरी के खेत खसरा नम्बर 65/1 रकबा 4.7105 हैक्टेयर, ग्राम गोलिया गर्वा के खेत खसरा नम्बर 174, 174/2 रकबा 3.9416, 14.1478 हैक्टेयर एवं ग्राम शिवपुरा के खेत खसरा नम्बर 1, 6 रकबा कमशः 9.5991, 5.2690 हैक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में सीमाज्ञान करवाकर चारों ओर पक्के नेखम स्थापित करावें। पक्के नेखम स्थापित करवाने हेतु तहसीलदार गुड़ामालानी को 1500/- शुल्क पर कमीश्नर नियुक्त किया जाता है। कमीश्नर शुल्क प्रार्थीगण मौके पर अदा करेंगे। आवश्यकता होने पर तहसीलदार गुड़ामालानी को थानाधिकारी पुलिस थाना आर.जी.टी. रावलीनाडी नगर से पुलिस इमदाद प्राप्त करने हेतु अधिकृत किया जाता है। तहसीलदार गुड़ामालानी बाद पालना, पालना प्रतिवेदन प्रेषित करे। तहरीर जारी हो। पालना प्रतिवेदन प्राप्त होने पर शामिल पत्रावली किया जावे। पत्रावली फ़ैसल सुमार होकर दाखिल दफ्तर हो।

आदेश आज दिनांक 2/8/22 को खुले न्यायालय सुनाया गया।